मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

dainikbhaskar.com | झुंझुनूं, शुक्रवार, 14 जनवरी, 2022 | पौष, शुक्ल पक्ष-12, 2078 | 12 शब्द | 61 संस्करण

मकर संक्रांति आज - सूर्य देवता के उत्तरायण होने का पर्व उत्साह से मनाएं, साथ ही सीखें कोरोना से जुड़े नियम

शेखावाटी भास्कर

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी और जिनोमिक्स के जरिए रोगों के इलाज में मिल रही मदद

सीरी में विज्ञान महोत्सव में विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी का महत्व

भास्कर न्यूज | पिलानी

सीएसआईआर-सीरी में जिज्ञासा विज्ञान महोत्सव 2022 के तहत गुरुवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में सीएसआईआर की नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला-जिनोमिकी एवं समवेत जीवविज्ञान संस्थान के डॉ. अनुराग अग्रवाल ने नॉट सो एलिमेन्ट्रीज : एआई एंड हेल्थ विषय पर व्याख्यान दिया।

जिसमें उन्होंने रोगों के निदान व उपचार में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी और जिनोमिक्स के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि कोविड के शुरुआती दौर में जब अल्फा वेरिएंट अपने पैर पसार रहा था। उस समय सीरी की टीम ने आईजीआईबी व अन्य सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की टीमों के साथ मिलकर सीने की एक्सस-रे इमेज से कोरोना का लिंक स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी बहुत विकसित हो चुकी है, लेकिन अभी भी इसमें विकास की असीमित संभावनाएं हैं।

वेबिनार की अध्यक्षता सीएसआईआर-सीरी पिलानी के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने की। वेबिनार का संचालन करते हुए प्रधान वैज्ञानिक बूट कैंप के मेन्टर ऑफ चेंज प्रमोद कुमार तंवर ने बताया कि देश की किशोर जनशक्ति को वैज्ञानिक नवाचार की ओर आकर्षित करना और उद्यमिता के लिए प्रेरित करना ही ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य है। इस अवसर पर छात्रों के लिए वैज्ञानिक क्विज का भी आयोजन किया गया। जिसका संचालन संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. गौरव पुरोहित ने किया। इससे पूर्व मुख्य वैज्ञानिक एवं कौशल विकास कार्यक्रम के प्रमुख डॉ. अभिजीत कर्माकर ने कहा कि जिज्ञासा विज्ञान महोत्सव 2022 के तहत बूट कैंप का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव के तहत किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अटल इनोवेशन और जिज्ञासा मिशन के तहत सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिक अटल टिंकरिंग लैब्स को मेन्टर कर रहे हैं और झुंझुनूं के चयनित विद्यालयों के लिए संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक प्रमोद तंवर 'मेन्टिर ऑफ चेंज' हैं जो ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बूट कैंप में प्रतिभागिता करने वाले पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।